सम्पादक की लेखनी की धार से .....

सर्व मंगल कुशे, सर्वे भवन्ति अभियंताः ।
शरन्ये फोरम पाटलिपुत्र, सर्वमय कल्याणम समाजतः ।।

रंग बसंती की ढलती जवानी और चैत माह के पावन क्षण के कौतुहल बेला में सम्राट अशोक के मगध साम्राज्य के गौरवशाली पाटलीपुत्र की धरती पर मंचासीन मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्ता आदरणीय ई0 रघुनन्दन सिंह, महाप्रबंधक, सेवा निवृत, एच.पी.सी.एल, नोएडा, बिशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष महोदय, उपाध्यक्ष जी, महासचिव जी, सभी पदाधिकारीगण, अभियंतागण, आज की आधी आवादी माताओं–बहनों, कल का भविष्य प्यारे बच्चों, पत्रकारगण, मिडिया कर्मीगण एवं बन्धुओं।

धन्यवाद के पात्र है कुशवाहा अभियंता फोरम जो आज की तिथि दिनांक 13.04.2025 दिन रविवार को कुशवाहा अभियंता फोरम की **33वीं यौवन** बार्षिक आमसभा सह कुशवाहा अभियंता फोरम के स्मारिका बर्ष 2025 अंक 33 वाँ का प्रकाशन एवं विमोचन का आयोजन अपने आलीशान मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन, पटना के प्राँगन में सम्पन्न करने के लिए एकजुट हुए हैं, मैं आपसबों का तहे दिल से स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

कोटि–कोटि स्वागत् एवं अभिनन्दन करते हैं हम अपने परिवार के एक तेजस्वी वीर का जो बिहार की धरती वेगुसराय के छोटे से कस्वा से चलकर देश के नामी प्रतिष्ठान आई0 आई0 टी0 खड़गपुर से बी0 टेक0 कर अपने बल पर चुनौतियों का सामना करते हुए शीर्ष पद पर आसीन होकर सेवा निवृति का सौभाग्य प्राप्त किए और आज हमारे वीच मुख्य अतिथि के रुप में मंचासीन हैं। उन्हे पुनः कोटि–कोटि सलाम, कोटि–कोटि प्रणाम।

स्वागत की अगली कड़ी में हम अभिनन्दन करते हैं मंचासीन विशिष्ट अतिथि जी का, फोरम के संरक्षकगणों का, अध्यक्ष जी का, उपाध्यक्ष जी का, महासचिव जी का एवं स्वागताध्यक्ष जी का जो इस कार्यक्रम की रौशनी का श्रोत हैं।

गौरव होती है हमे जब हम अपने समाज के प्रवुद्ध, अगली पंक्ति में खड़े राजनीतिज्ञ, माननीय उप मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण एवं पदाधिकरीगणों का शुभकामना संदेश प्राप्त होता है जिसे हम बड़े अदब के साथ कुशवाहा अभियंता फोरम के 33 वीं **अनमोल रत्न "स्मारिका"** मे समावेशित कर हम आनन्द विभोर है। इसके लिए उन्हें कोटि–कोटि अभिनन्दन, कोटि–कोटि प्रणाम।

हृदय की उदगार की कडी में हम मुख्य अतिथि का संक्षिप्त **जीवनी की गाथा** फोरम के **सम्पादकीय लेखनी से शब्दो का मघुर संवाद**..,अध्यक्षीय **संबोधन की गूँज**, उपाध्यक्ष जी का **भाव उदगार**, महासचिव जी का विस्तृत प्रतिवेदन में **हर पहलू की विवेचना,** कोषाध्यक्ष जी का **लेखा–जोखा,** वित्तीय बर्ष 2024–25 का आय–व्यय का **अंकेक्षित लेखा** तथा आगामी वित्तीय बर्ष 2025–26 के लिए **प्रस्तावित बजट** को भी समावेशित कर प्रस्तुत करने का एक सफल प्रयास किया है।

कैसे भुल सकते हैं हम **मौर्य बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति को**, जिसके सहयोग के बिना इस आलीशान भवन की परिकल्पना भी नहीं कर सकते थे।

गृह निर्माण समिति के अग्रणी सोंच ने समाज के आवास को भिन्न–भिन्न जगहो पर **एक कुशल सोसायटी में पिरोने** का कार्य किया है। जिसके तहत अबतक 101 सदस्यों को भूखण्ड आवंटित किया जा चुका है तथा 82 सदस्यों को आवंटन किये जाने की प्रक्रिया में है जिससे निर्मित भवन की प्रतिबिम्ब चलचित्रत होता दिख रहा हैं। इस **सफल उपयोगी प्रयास** के लिए गृह निर्माण समिति के सचिव श्री शिवधारी सिंह, **वीर योद्धा** को स्वागत एवं अभिन्नदन करते हुए **शुक्रिया अदा** करना कैसे भूला जा सकता है।

हम हैं मौर्यवंशी, हम हैं सूर्यवंशी, हम हैं कुशवंशी, हम हैं तथागत गौतम वुद्ध शाक्यवंशी, **कोलिय वंशी राजकुमारी यशोधरा** के वंशज हैं, हमें मौर्यवंशी महात्मा वुद्ध, चन्द्रगुप्त मौर्य, **सम्राट अशोक महान जैसे वीर क्षत्रियों का वंशज** होने का गर्व हैं। हम सदियों से **जुझारु** रहे है और समय आने पर **लड़ाकू की श्रेणी में भी अब्बल** रहे है।

"हम डरते नही हैं और डराते भी नही हैं,
लेकिन डराने वाले को झुका जरुर देते हैं।"
मेहनत कश सादगी जीवन ही हमारी पहचान है ।
संघर्षमय परिश्रम से सफलता ही हमारी आन है ।।

क्या पाया क्या खोया की कदर की देन है कि फोरम में इस बर्ष 83 अभियंतागण आजीवन सदस्य बने हैं जिससे अबतक आजीवन सदस्यों की संख्या 2353 हुई है तथा सामान्य सदस्यों की संख्या 645 है। सभी सदस्यों का अल्फावेटकली नाम, स्थायी एवं अस्थायी पता के अलावे मोबाईल न० के साथ सूचीवद्ध संकलित करने का एक छोटा सा प्रयास भी किया गया है।

तनिक भी कोताही नहीं बरतते हुए **शीर्ष पंक्ति** के सर्वमान्य माननीय सांसदो, माननीय राज्य सभा सदस्यगण, माननीय मंत्रीगण, माननीय विधान परिषद सदस्यगण, माननीय विधान सभा सदस्यगण की सूची संकलिन कर स्मारिका मे प्रकाशित करने का **भपुर प्रयास किया** है।

विघा सर्वते प्रथमः पूजते के आदर्श पर फोरम **जगदेव स्मृति छात्रवृति योजना** को प्रबलता के साथ समाज के वैसे **मेघावी छात्र छात्राओं** जो **आर्थिक रुप से पिछड़े** हैं को **तकनीकी शिक्षा** में **अध्ययन हेतू आर्थिक सहयोग** करने में **अब्बल** रहा है। हम **प्रक्षेत्रवार** सुची बद्ध तैयार कर संकलित किए है अपनी इस आलिशान **ईमारत के निर्माण में भरपुर दान देने वाले दानवीरों** का, साथ ही सुची बद्ध किए है **जगदेव स्मृति छात्रवृति योजना** में भरपुर सहयोग करने वालें प्रवुद्ध सहयोगियों का। साथ ही सूचीवद्ध किया है **दान देने वाले दानवीरों का जिन्हें फोरम सम्मानित** करने का निर्णय लिया है। अन्य मद दान एवं कल्यान में दान देने वाले सदस्यों का भी प्रक्षेत्रवार सूची तैयार की गयी है। **आर्थिक सहयोग** पाने वाले कुल 235 छात्र–छात्रायों का भी एक सुची तैयार की गयी है। साथ ही सूचीबद्ध की गयी है अध्ययनरत वैसे 36 छात्र–छात्राओं का भी जिन्हें वर्तमान में फोरम आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा है जो **मील का पत्थर** है। **छात्रवृति विशेष में दान देने वाले दानवीरों** का अलग से **पृष्ठांकित** करने में एक अलग विशेष आन्नद आ रहा हैं।

{"फोरम अपील करता है आर्थिक सहयोग प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं से कि आप भी आर्थिक रुप से संपन्न होने पर फोरम का सदस्य बने एवं समाज के आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों को फोरम के माध्यम से हर सम्भव आर्थिक मदद करने में बढ़–चढ़कर भाग लें"}

कहते हुए गर्व हो रहा है कि **मेंहदी का अद्वितीय रंग और शादी की सहनाई गीत की गूँज के तहत** समाज के विवाह योग्य लड़का–लड़की का बायोडाटा संकलित करने का एक भरपुर प्रयास किया है। लोगों द्वारा इस सामाजिक योजना की भूरी–भूरी प्रसंसा ही नहीं बल्कि इस पुनीत कार्य के लिए सभी ने काफी सराहनीय कार्य की संज्ञा से **विभूषित किया** है। यही कारण है कि प्रत्येक बर्ष शादी सम्पन्न हुए जितने **नाम हटाये जाते** है उससे अधिक **नये नाम शादी हेतु जुटते जाते** हैं।

शुक्रगुजार है हम, फोरम के हर क्षेत्र के नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का नाम, पता, मोबाइल नम्बर सहित संकिलत कर प्रकाशित करने के लिए। **इन्हे भी जानिये** कार्यक्रम के तहद भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, अन्य प्रमुख भारतीय सेवा के पदाधिकारियों का नाम की सूची भी तैयार कर स्मारिका में प्रकाशित करने का शौभाग्य मिला है। अन्त में कुशवाहा अभियंता फोरम के पदाधिकारियों की सूची को भी वर्षवार संकलित कर स्मारिका के अंतिम पृष्ट पर **सुसज्जित करने** का एक छोटा सा प्रयास भी किया गया है।

हम कैसे भूल सकते है अपने हृदयीभाव रुपी शुभकामना संदेश देने वाले माननीयों का, आभारी हैं हम अपने आदरणीय मुख्य अतिथि का जो हजारो किलो मीटर की दुरी तय कर फोरम के मंच को गौरवान्वित किया, आभारी हैं हम आपसभी अभियन्तायों का जिनके **निबंधन के कारण ही यह स्मारिका का उदय** हुआ है। आभारी हैं हम फोरम के **कर्मठ एवं शालीनता के श्रेष्ट** अध्यक्ष जी का जिनकी अगुआई मे फोरम की **प्रगतिता लहरा** रही है, आभारी हैं हम फोरम के उपाध्यक्षों का जो हमेशा फोरम के उत्थान के **फिराक** में लगे रहते हैं, आभारी हैं हम फोरम के प्रति **निष्टावान न्योछावरित योद्धा** महासचिव का जिनकी सोंच–समय–लग्न हमेशा फोरम में ही लगा रहता है, आभारी है हम कोषाध्यक्ष का जिनकी **थैली में हमेशा कोष संग्रह** करने का यंत्र सुशोभित रहता है। आभारी हैं हम अपने प्रवुद्ध कार्यकारिणी सदस्यों का जिनके कार्यकाल में **निस्वार्थ निर्णय** के साथ एक विशाल छात्रावास का निमार्ण के लिए भी एकमत ध्वनि गूंज से सहमति प्रदान की है जिसके लिए कोटि कोटि प्रणाम।

आभारी की अगली कड़ी में हम आभारी हैं अपने वुद्धिजीवी योजना एवं परामर्शदातृ समिति सदस्यों का, आभारी हैं हम अपने **अनुभव के धनी संरक्षक अभिभावको** का जिनके संरक्षण में हम भयहीन होकर हर कार्य में सफलता प्राप्त की है। आभारी हैं हम अपने **सम्पादकीय मंडल** का, विज्ञापनदातायों का। आभारी हैं हम **दी आर्ट गैलरी**, आशियाना मोड़, पटना का जिनके **यंत्र–शयंत्र के रंगीन कलाकारी** ने स्मारिका की **यौवनता को निखारा** है। आभारी हैं **हम अपने आप** में जो आप बहुमूल्य समय देकर हमें सुना है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए **झमा प्रार्थी का पात्र** हूँ जिसे स्वीकार कर हमे आभार मुक्त करें।

तो आईये अब हमसब अपनी पुरानी शिकवा–शिकायत, द्वेश–कलह, गलतफहमी को भूलकर, मनमुटावों को त्यागकर, नये उमंग के साथ प्रगतिशील जंजीर में जकड़कर, सच्ची श्रद्धा से अपने संगठित अनमोल फोरम को शुद्धीकरण करने में ताल से ताल मिलाकर चलने का संकल्प लें।

अन्त में सर्वप्रथम धन्यवाद देता हूँ अपने आरणीय मुख्य अतिथि जी को जो मूल्यवान समय देकर हमे **अनुग्रहीत** किया है। धन्यवाद देता हूँ **मंचाशीन कर्मठ, अनुभव के धनी** सभी पदाधिकारियों को जिन्होने हमे सम्मान देने का सुनहरा अवसर दिया। धन्यवाद देता हूँ मंच संचालक **की शालीनता** का। धन्यवाद देता हूँ आप सभी को जो **अभी तक मेरी लेखनी की धार को स्वीकार कर हमें उत्साहित** किया है। और अंत में धन्यवाद देता हूँ व्यवस्थापक को जिनकी **व्यवस्था ने हमे कुछ सुनने समझने** का मौका दिया हैं। इन्ही धन्यवाद के साथ.....

जय कुशवाहा जय अभियंता जय फोरम

(इ० अजय कुमार वर्मा)
सम्पादक